# कोयल

## सरल हिन्दी पाठमाला 4

---

## शिक्षक-दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 4 (पाठमाला 4 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड

*मुख्य कार्यालय*

3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत

ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

*शाखाएँ*

बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023

प्रथम संस्करण, 2023

OBBN 978-0-30106-642-4

*टाइपसेटर*

सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

*मुद्रक*

*प्रकाशक*

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड

3-6-752 हिमायतनगर

हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)

ई-मेल : info@orientblackswan.com

# पाठ-सूची

*शिक्षक बंधुओं से ...* *v*

1. **धूप और पानी** (कविता) 1
2. **बोलने वाली गुफा** (कहानी) 5
3. **रणथम्भौर की सैर** (वर्णनात्मक पाठ) 10
4. **रंग-बिरंगे प्यारे फूल** (कविता) 14
5. **टिन्नी, गिट्टू और चूँ-चूँ** (कहानी) 18
6. **एकता में बल** (कहानी) 23
7. **कबड्डी-कबड्डी!** (संवादात्मक पाठ) 28
8. **दो चिड़ियाँ** (कविता) 33
9. **कान्ति की बहादुरी** (कहानी) 38
10. **ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** (जीवनी) 42
11. **पेड़ लगाएँ** (कविता) 47
12. **लकड़हारे की कुल्हाड़ी** (कहानी) 51

# शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

## 'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

**'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला** अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

**'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला** में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:–

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

## 'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

## 'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

## 'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

## डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

**फ़्लैश कार्ड :** इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

**QR कोड :** इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

**पाठों का ऑडियो :** इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

**पाठों का ऐनिमेशन :** इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

**शब्दार्थों का ऐनिमेशन :** इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

**ऑडियो पर आधारित प्रश्न :** इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

## ‘कोयल’ हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

## ‘कोयल’ हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8 )

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

**कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ** हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

## विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- ‘मौखिक मूल्यांकन’ शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार ‘लिखित मूल्यांकन’ भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- ‘सोचिए और बताइए’ शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- ‘रचनात्मक कार्य’ के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

# पाठ 1 : धूप और पानी

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
| --- |
| • प्रकृति प्रेम<br>• बड़ों का कहना मानना<br>• कल्पनाशीलता<br>• वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
| --- | --- |
| विधा Genre | कविता |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियों को सही क्रम देना |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शुद्ध-अशुद्ध वाक्य, वाक्य रचना, शुद्ध वर्तनी |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, कारण, कार्य-कारण सम्बन्ध, परिणाम |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | कविता याद करके कक्षा में सुनाना, अनुभव बताना, A4 शीट पर चित्र चिपकाना, चार्ट पेपर पर जलचक्र बनाना |
| जीवन कौशल<br>Life Skills | बड़ों का कहना मानना |
| डिजिटल<br>Digital | कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## कविता का सारांश Summary

इस कविता में बच्चे प्रकृति में हुए अचानक परिवर्तन को देख कर हैरान हैं कि अभी-अभी तो धूप खिली हुई थी और अचानक पानी कहाँ से बरसने लगा! किसने शैतानी करके बादलों के पानी से भरे हुए घड़े को फोड़ दिया है? सूरज ने अपने घर का दरवाज़ा क्यों बंद कर दिया है? क्या उसकी माँ ने उसे बुला लिया है? ये बादल किसके काका हैं जो ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं? किसने अपनी माँ का कहना नहीं माना, जो बादल काका उसे डाँट रहे हैं?

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में वर्षा के बहाने बच्चों के प्रति परिवार के लोगों के व्यवहार को उजागर किया गया है। बादल के गरजने और बरसने का चित्रण मानवीकरण के द्वारा अभिव्यक्त हुआ है। अतएव इस कविता को पढ़ाने से पूर्व इसके रूपक और उक्ति वैचित्र्य को खोलकर स्पष्ट करें।
2. इस कविता का आरम्भ और अन्त प्रश्नों से हुआ है। अतः विद्यार्थियों से पूछें कि क्या तुमने कभी ऐसा देखा है कि अभी-अभी धूप थी और तुरंत पानी बरसने लगा? यह दृश्य देखकर तुम्हारे मन में क्या यह प्रश्न आया – अभी-अभी धूप थी, पानी कहाँ से बरसने लगा? उनसे इसी तरह के कविता से सम्बन्धित अन्य प्रश्न भी करें। इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. क्या तुमने कभी आकाश में उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देखा है? वे तुम्हें किसके समान दिखते हैं? तुम्हें वर्षाकाल के बादल एक बड़े घड़े की तरह नहीं दिखाई दिए? क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगा कि बादल रूपी घड़े को किसी ने फोड़ दिया और पानी बरसने लगा?
4. वर्षा के समय आकाश में चारों ओर बादल छा जाते हैं और सूरज दिखाई नहीं पड़ता है। इस बात को कवयित्री ने प्रश्न के रूप में कहा है – सूरज ने अपने घर का दरवाज़ा क्यों बंद कर लिया?
5. बादल का ज़ोर-ज़ोर से गरजना सुनकर ऐसा लग रहा है कि काका जी बच्चों को डाँट रहे हैं, क्योंकि उन्होंने माँ का कहना नहीं सुना।
6. कविता का अर्थ समझा देने के बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
7. अब आप **कविता पढ़ें** औए पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
8. इसके बाद प्रत्येक विद्यार्थी से कविता बोलकर पढ़वाएँ। पंक्ति में जहाँ **अल्प-विराम** (,) हैं, वहाँ पढ़ते समय विद्यार्थी बहुत कम देर के लिए रुकेंगे तथा जहाँ **प्रश्नवाचक चिह्न** (?) है, वहाँ प्रश्नात्मक लहजे में पढ़ेंगे।
9. पंक्तियों के बोलने में जहाँ त्रुटि आए, वहाँ सस्वर पढ़कर त्रुटियों को ठीक करने के लिए विद्यार्थियों से पुनः वाचन करने को कहें।
10. कविता की प्रत्येक पंक्ति को **गद्य रूप में लिखवाएँ।** जैसे - अभी धूप थी। यह पानी कहाँ से बरसने लगा?
11. इस कविता में **तुकों के प्रयोग में 'आ जा', 'माँ का'** तुकों का प्रयोग किया गया है। श्यामपट्ट पर इनके तुकों वाले अन्य शब्द लिखें - **आ जा-ताज़ा**, खा जा - राजा। पानी - शैतानी, दानी - हैरानी, रानी - मनमानी, ठानी - परेशानी।
12. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
13. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।

14. **शब्दों का वाक्य में किस प्रकार प्रयोग** करते हैं– यह समझाएँ।
15. श्यामपट्ट पर लिखकर शब्दों की **सही वर्तनी** बताएँ।
16. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में पानी के बरसने की बात आई है। पानी किस ऋतु में बरसता है? वह ऋतु आपको कैसी लगती है, आदि।
17. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह–कार्य हेतु दे सकते हैं।
18. **स्व–मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
19. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा–कार्य अथवा गृह–कार्य हेतु दें।
20. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
21. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा–कार्य अथवा गृह–कार्य हेतु दें।

---

## **उत्तरमाला** Answers

---

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ–बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी इन शब्दों का स्वयं उच्चारण करेंगे।
2 (क) पानी बरसने से पहले धूप थी।
   (ख) पानी बादल से बरसने लगा।
   (ग) सूरज ने अपने घर का दरवाज़ा बन्द कर लिया।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ वर्षा ऋतु की (ख) ☑ नाला (ग) ☑ घड़े।

**लिखित** Writing

1. विद्याथी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) बादल का घड़ा फूटने से पानी बरसने लगा।
   (ख) सूरज को इसकी माँ ने बुला लिया।
   (ग) बादल ज़ोर–ज़ोर से गरज रहे हैं।

3. विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक में ही इन वाक्यों का क्रम बताएँगे। (कॉलम 1 देखें) फिर अध्यापक निर्देशानुसार इन वाक्यों को विद्यार्थियों से कापी में भी लिखने को कहें। (कॉलम 2 देखें)।

| (1) | | (2) | |
|---|---|---|---|
| 3 | सूरज ने क्यों बन्द कर लिया | 1 | किसने फोड़ घड़े बादल के |
| 5 | ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं, | 2 | की है इतनी शैतानी? |
| 2 | की है इतनी शैतानी? | 3 | सूरज ने क्यों बन्द कर लिया? |
| 6 | बादल हैं किसके काका? | 4 | अपने घर का दरवाज़ा? |
| 4 | अपने घर का दरवाज़ा? | 5 | ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं। |
| 1 | किसने फोड़ घड़े बादल के, | 6 | बादल हैं किसके काका? |

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1. (क) धूप उगी। (ख) पानी बरसा। (ग) बादल गरजा।
2. (क) क्या – आपने आज सुबह क्या खाया?
   (ख) क्यों – तुम स्कूल क्यों नहीं आए थे?
   (ग) कहाँ – तुम्हारा घर कहाँ है?
   (घ) किसने – मुझको किसने आवाज़ दी?
3. ☑ बरसना ☑ शैतानी ☑ दरवाज़ा

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी अपनी समझ से सभी कार्यों को करेंगे। अध्यापक निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) ☑ बरसात या वर्षा होना।
   (ख) ☑ बादलों में से पानी बरसना।
   (ग) ☑ सूरज के घर का
2. (क) कविता की पहली दो पंक्तियों में कवयित्री इस बात पर आश्चर्यचकित हो रही हैं कि अभी-अभी तो धूप थी तो एकदम पानी कहाँ से आ बरसने लगा।
   (ख) कविता की अन्तिम दो पंक्तियों में कवयित्री सोच रही हैं कि ये घने काले बादल आसमान से किस शैतान बच्चे को डाँट रहे हैं।
3. विद्यार्थी कविता की पंक्तियाँ लिखेंगे।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4. विद्यार्थी स्वयं अपनी समझ से वाक्य लिखेंगे।
5. (क) ☑ काले (ख) ☑ गरज रहे हैं (ग) ☑ मोर (घ) ☑ रिमझिम

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. विद्यार्थी स्वयं निर्देशानुसार करेंगे।

---

# पाठ 2 : बोलने वाली गुफा

---

**पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes

- बुद्धिमानी
- कठिन समय में भी हिम्मत न हारना
- सोच-समझकर निर्णय लेना
- तार्किक सोच एवं अनुमान

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न |
| भाषा और व्याकरण Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, एकवचन-बहुवचन |
| चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving | कारण, अनुमान, वर्णन, कल्पना, समस्या, समाधान |
| रचनात्मक कार्य Art Integration | अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, इंटरनेट का प्रयोग, पशु-पक्षियों के घरों के चित्र चिपकाना |
| जीवन कौशल Life Skills | घर में अकेले होने पर क्या सावधानी बरतनी चाहिए, यह बताना; तार्किक बुद्धि का प्रयोग करते हुए उत्तर देना |

| | |
|---|---|
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## **पाठ का सारांश** Summary

यह एक सियार की कहानी है, जो कि बहुत बुद्धिमान था। वह एक गुफा में रहता था। एक बार उसकी गुफा में एक भूखा शेर आ गया। वह बहुत देर से भूखा था और यह सोचकर उसकी गुफा में आया था कि इस गुफा में कोई जानवर ज़रूर रहता होगा। जब वह आएगा तो मैं उसे खा जाऊँगा। वह सियार पास ही एक नदी पर पानी पीने गया था। जब वह वापस आया तो उसने देखा कि गुफा में किसी बड़े जानवर के अंदर जाने के निशान हैं। वे निशान अंदर जाने के तो थे पर बाहर आने के नहीं थे। सियार समझ गया कि वह जानवर अभी भी गुफा में ही है। उसने चालाकी से काम लिया। वह ज़ोर से बोला कि ऐ मेरी गुफा आज तुम बोलकर मेरा स्वागत क्यों नहीं कर रही हो? शेर ने समझा यह गुफा बोलती होगी पर आज मेरे डर से नहीं बोल रही है। यह सोच कर शेर बोल पड़ा। उसके बोलते ही सियार समझ गया कि गुफा में शेर है। वह तुरन्त वहाँ से भाग गया। शेर उसका इन्तज़ार करता ही रह गया।

## **पाठ-योजना** Lesson Plan

1. इस कहानी के दो पात्र हैं – सियार और शेर। दोनों जंगल में रहते हैं। विद्यार्थियों से पूछें कि जंगल में और कौन-कौन से जानवर रहते हैं? उन्हें कुछ जंगली जानवरों के नाम हिन्दी में बताएँ। फिर उनसे पूछें कि हम जंगली जानवरों को कहाँ देख सकते हैं? चिड़ियाघर में। अब उनसे पूछें कि वे जंगली जानवरों के बारे में जो कुछ भी जानते हैं, बताएँ।
2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** औए पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
5. अब बताएँ कि शेर और सियार जंगली जानवर हैं। ये मांसाहारी हैं अर्थात् मांस खाते हैं। इसी प्रकार कुछ जानवर शाकाहारी होते हैं। वे मांस नहीं खाते हैं। उन्हें शाकाहारी जानवर कहते हैं। श्यामपट्ट पर कुछ शाकाहारी और मांसाहारी जानवरों के नाम लिखकर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इससे विद्यार्थियों को इन जानवरों का ज्ञान हो जाएगा।
6. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे

तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।

7. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ** बहुविकल्पी प्रश्न **बनाकर विद्यार्थियों से प्रथम पाठ की भाँति उनके उत्तर पूछें –**
   - **गुफा में कौन रहता था?**
     - ☐ **शेर**
     - ☐ **हिरण**
     - ☐ **सियार**
9. **श्यामपट्ट** पर **विलोम शब्द** लिख कर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इसी प्रकार **एकवचन-बहुवचन** पढ़ाएँ।
10. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में किन-किन जंगली जानवरों के नाम आए हैं? शेर ज़्यादा बुद्धिमान था या सियार, आदि।
11. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

## **उत्तरमाला** Answers

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनेंगे और फिर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) शेर इसलिए परेशान था क्योंकि वह बहुत भूखा था।

   (ख) खाली गुफा देखकर शेर ने सोचा, ''इस गुफा में कोई जानवर है तो रहता ही होगा। जैसे ही वह गुफा के अन्दर आएगा, मैं उसे खा जाऊँगा।''

(ग) सियार ने अपनी गुफा के बाहर पैरों के निशान देखकर गुफा से बातें करने का नाटक किया। शेर के जवाब देने पर सियार अपनी जान बचाकर भाग गया। इस प्रकार सियार ने चतुराई दिखाई।

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) शेर गुफा के अन्दर उस जानवर की प्रतीक्षा कर रहा था जो उस गुफा के अन्दर रहता था।
   (ख) सियार ने गुफा से कहा, ''ऐ मेरी बोलने वाली गुफा! तुम तो रोज़ मेरा स्वागत बोलकर करती हो, मगर आज चुप क्यों हो?''
   (ग) गुफा ने उत्तर में कहा, ''आओ मित्र, तुम्हारा स्वागत है।''
   (घ) सियार के न आने पर शेर समझ गया कि सियार उसे मूर्ख बनाकर भाग गया है।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ शेर (ख) ☑ भूखा (ग) ☑ खाली

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| मित्र | x | शत्रु | दूर | x | पास |
| जाना | x | आना | धीरे | x | जल्दी |
| अन्दर | x | बाहर | खाली | x | भरा |

2.

| | | | |
|---|---|---|---|
| अनेक | शेर | अनेक | मित्र |
| अनेक | जंगल | अनेक | फल |
| अनेक | बादल | अनेक | निशान |
| | | अनेक | जानवर |

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से प्रश्नों के उत्तर देंगे। सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करने को कहें। विद्यार्थियों से उनके विचार पूछें तथा उसी आधार पर मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन कौशल** Life Skills

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. विद्यार्थी स्वयं वाक्यों को क्रम देंगे।
2. (क) शेर शिकार की खोज में बहुत दूर आ गया था।
   (ख) शेर यह सोचकर गुफा के अन्दर छिप गया कि उस गुफा में रहने वाला जानवर जब आएगा तो वह उसको खा जाएगा।
   (ग) शेर की आवाज़ सुनते ही सियार समझ गया कि वह शेर उसी को मारने के लिए गुफा के अन्दर छिपकर बैठा है।
3. (क) सियार ने
   (ख) शेर ने
   (ग) सियार ने
   (घ) शेर ने

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4. (क) मित्र (ख) निशान (ग) अन्दर
   (घ) चतुर (ङ) वन
5. (क) भारी
   (ख) **भूखा** शेर
   (ग) **बुद्धिमान** सियार
   (घ) **घना** जंगल

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

# पाठ 3 : रणथम्भौर की सैर

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
|---|
| • प्रकृति प्रेम<br>• रणथम्भौर अभयारण्य से परिचय<br>• ऐतिहासिक धरोहर का महत्त्व<br>• पशु–पक्षियों की सुरक्षा का महत्त्व |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | गद्य–पाठ–ऐतिहासिक लेख |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | पाठ–बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, सही–गलत का चिह्न लगाना |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, संज्ञा, सर्वनाम |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, कारण, परिणाम, कार्य–कारण सम्बन्ध |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | चर्चा करना, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किसी स्मारक पर पाँच पंक्तियाँ लिखना, सूची बनाना |
| जीवन मूल्य<br>Values | पशु–पक्षियों के प्रति दया भाव एवं संवेदनशीलता |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द–अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह पाठ ऐतिहासिक शहर रणथम्भौर किले के विषय में हैं। पाठ में सबसे पहले रणथम्भौर स्थित अभयारण्य के बारे में बताया गया है। यह अभयारण्य 392 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसके एक ओर चम्बल तो दूसरी ओर बनास नदी बहती है। रणथम्भौर बाघों के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत का प्रमुख टाइगर रिज़र्व क्षेत्र है। यहाँ कई तरह के पेड़–पौधे

और पशु-पक्षी देखे जा सकते हैं। यहाँ का प्रमुख आकर्षण रणथम्भौर का प्राचीन किला है। इस किले में भगवान गणेश का एक मन्दिर है। यहाँ कई झीलें और तालाब हैं, जिनमें मगरमच्छ पाए जाते हैं। यह अभयारण्य पर्यटकों के लिए अक्टूबर से जून तक खुला रहता है। कभी अवसर मिले तो इसे देखने अवश्य जाना चाहिए।

**पाठ-योजना** Lesson Plan

1. यह पाठ ऐतिहासिक शहर रणथम्भौर के बारे में है। अतः विद्यार्थियों को ऐतिहासिक धरोहरों का महत्त्व समझाएँ। यदि आपके शहर या गाँव में कोई ऐतिहासिक स्थान या इमारत है तो उसके बारे में चर्चा करें। उसका नाम पूछें। पूछें, क्या आप वहाँ गए हैं? आप वहाँ के बारे में क्या जानते हैं, आदि।
2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए मूलपाठ का उच्चारण सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** औए पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
5. अब बताएँ कि जिस प्रकार पिछले पाठ में शेर और सियार दो जंगली जानवर थे, उसी प्रकार के जंगली जानवर अभयारण्यों में रहते हैं।
6. जिस प्रकार ये जंगली जानवर हैं और जंगलों में रहते हैं, उसी प्रकार कुछ जानवर शहरों और गाँवों में पाए जाते हैं। उन्हें पालतू या घरेलू जानवर कहते हैं। श्यामपट्ट पर कुछ जंगली और घरेलू जानवरों के नाम हिन्दी में लिखकर विद्यार्थियों से उनका **उच्चारण** करवाएँ। इससे विद्यार्थियों को जंगली और पालतू या घरेलू जानवरों का ज्ञान हो जाएगा।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से प्रथम पाठ की भाँति उनके उत्तर पूछें** -
   - **इनमें से कौन-सी नदी रणथम्भौर में नहीं बहती?**
     - ☐ **चम्बल**
     - ☐ **बनास**
     - ☐ **यमुना**
10. श्यामपट्ट पर **सर्वनाम शब्द** लिख कर विद्यार्थियों को उनके बारे में बताएँ। फिर उनका **वाक्यों में प्रयोग** करके उनका **भाषा प्रयोग** सिखाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में

किस ऐतिहासिक शहर की बात आई है? वहाँ क्या-क्या है? वह प्रमुख रूप से किस बात के लिए प्रसिद्ध है?

12. अभ्यास के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

---

## उत्तरमाला Answers

---

### पाठ्यपुस्तक के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।

2 (क) रणथम्भौर भारत का प्रसिद्ध अभयारण्य है।
  (ख) रणथम्भौर, वहाँ पाए जाने वाले बाघों के लिए प्रसिद्ध है।
  (ग) रणथम्भौर अभयारण्य का नाम, वहाँ स्थित रणथम्भौर के किले के नाम पर रखा गया है।
  (घ) रणथम्भौर अभयारण्य की स्थापना सन् 1955 में हुई थी।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ राजस्थान में  (ख) ☑ बाघों के लिए
(ग) ☑ कोटा का  (घ) ☑ चिलका झील

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी दिए गए शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।

2. (क) रणथम्भौर राजस्थान के सवाई माधोपुर ज़िले में स्थित है।
  (ख) रणथम्भौर अरावली तथा विन्ध्याचल की पर्वतमालाओं के बीच में स्थित है।
  (ग) रणथम्भौर की प्रमुख झीलों के नाम हैं– पद्म झील, सुरवात झील।
  (घ) रणथम्भौर में लगभग 262 प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं।

(ङ) रणथम्भौर में पाए जाने वाले प्रमुख पशु हैं– बाघ, सियार, चीता, नीलगाय और अन्य प्रजातियों के हिरण।

3. (क) ☑ (ख) ☑ (ग) ☑ (घ) ☑ (ङ) ☑

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

रणथम्भौर भारत का प्रसिद्ध अभयारण्य है। मानसून में यह पर्यटकों के लिए बन्द रहता है। इसकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हुई है।

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से प्रश्नों का उत्तर देंगे। सभी गतिविधियों को निर्देशानुसार करवाएँ. विद्यार्थियों से उनके विचार जानें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन मूल्य** Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) ☑ सवाई माधोपुर
   (ख) ☑ बनारस
   (ग) ☑ 11 कि.मी.
2. (क) रणथम्भौर अभयारण्य का प्रमुख आकर्षण वहाँ रहने वाले बाघ हैं।
   (ख) रणथम्भौर अभयारण्य में लगभग 262 प्रकार के पक्षी देखे जा सकते हैं।
   (ग) रणथम्भौर अभयराण्य पर्यटकों के लिए मानसून के मौसम में बन्द रहता है।
3. (क) बाघों (ख) राष्ट्रीय (ग) रणथम्भौर (घ) कोटा

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4. चित्रमाला, पाठमाला, उत्तरमाला
5. (ख) बहुत x कम
   (ग) खुला x बन्द
   (घ) पास x दूर

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. विद्यार्थी चित्र देखकर स्वयं वाक्य लिखेंगे।

# पाठ 4 : रंग-बिरंगे प्यारे फूल

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
|---|
| • प्रकृति प्रेम<br>• प्रकृति संरक्षण<br>• समानता भाव<br>• सदैव प्रसन्न रहना |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कविता |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, तुकान्त शब्द |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, चरित्र चित्रण, कार्य-कारण सम्बन्ध, परिणाम |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | चार्ट पेपर पर चित्र बनाना, गुलकन्द बनाना |
| जीवन मूल्य<br>Values | संरक्षण का भाव एवं समानता |
| डिजिटल<br>Digital | कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## कविता का सारांश Summary

यह कविता प्रकृति पर आधारित है। कविता में कवि फूलों की सुन्दरता का वर्णन कर रहे हैं। साथ ही फूलों के माध्यम से यह सीख भी दे रहे हैं कि हमें किसी के साथ भेद-भाव नहीं करना चाहिए। कवि कह रहे हैं कि रंग-बिरंगे प्यारे फूल सबको बहुत अच्छे लगते हैं। सूर्य की पहली किरण के साथ ही ये खिल उठते हैं। धरती इन्हें अपने आँचल में पालती है। ये फूल अपनी सुगन्ध से सारे संसार को महकाते हैं। इसलिए इतने प्यारे और सुन्दर फूलों से हम सब बहुत प्यार करते हैं। ये लाल, पीले, नीले, रंग-बिरंगे – अनेक रंगों के होते हैं। जब भी इन्हें देखो तो ऐसा लगता है कि ये हँस रहे हैं। इन्हें देखकर हमारा मन

प्रसन्न होता है। इसलिए हम इन्हें बहुत प्यार करते हैं। ये अपनी सुगन्ध सबको समान रूप से देते हैं– चाहे धनवान हो, निर्धन हो या फिर कोई राजा। ये अपनी सुगन्ध देने में कोई भेद-भाव नहीं करते हैं। इसलिए हम इन्हें बहुत प्यार करते हैं। लाल, गुलाबी, हरे, पीले, सफ़ेद, नारंगी रंग के और चितकबरे या धब्बेदार फूल हमारे जीवन में बहार लाते हैं। इसलिए हम इन्हें बहुत प्यार करते हैं।

**पाठ-योजना** Lesson Plan

1. कविता में कवि ने फूलों का वर्णन किया है। विद्यार्थियों से फूलों के विषय में बातें करें। फिर पूछें कि उनका मनपसन्द फूल कौन-सा है और क्यों? उनके घर में कौन-कौनसे फूलों के पौधे लगे हुए हैं? यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **कविता पढ़कर** सुना दें। फिर बताएँ, कविता के माध्यम से कवि यह सीख दे रहे हैं कि हमें किसी के साथ भेद-भाव नहीं करना चाहिए। क्या हमें किसी के साथ भेद-भाव करना चाहिए? क्या भेद-भाव करना अच्छी बात है? इसी तरह के अन्य प्रश्न करें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **कविता पाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. इसके बाद विद्यार्थियों से पेड़-पौधों के नाम तथा उनपर लगने वाले फूलों और फलों के विषय में भी बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. पुस्तक में कविता से सम्बन्धित जो चित्र दिया गया है, आप उससे सम्बन्धित प्रश्न भी विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं। जैसे – इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है? यह चित्र कविता के बारे में क्या बता रहा है?
9. **कविता का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें –**
   - **फूल क्या नहीं करते हैं?**
     - ☐ **भेद-भाव**
     - ☐ **प्यार**
     - ☐ **घृणा**
10. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-1** में दिए गए **विलोम शब्दों** को पहले

**मौखिक रूप से** पूछ लें। फिर श्यामपट्ट पर अतिरिक्त उदाहरण द्वारा भी समझाएँ। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।

11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर बताएँ कि शब्द 'तुकान्त शब्द' कैसे होते हैं। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि फूल क्या नहीं करने के लिए कह रहे हैं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

---

## **उत्तरमाला** Answers

---

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) फूल देखने में रंग-बिरंगे हैं।
   (ख) फूल संसार को महका देते हैं।
   (ग) कवि को फूल बहुत प्यारे और न्यारे लगते हैं।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ सूरज (ख) ☑ हँसते हुए (ग) ☑ राजा-रंक में

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) फूलों को सूरज अपनी किरणों से खिलाता है।
   (ख) धरती के आँचल में पलकर अपनी खुशबू से फूल सारा संसार महकाते हैं।

(ग) फूल सबको समान रूप से अपनी खुशबू तथा सुगन्ध के उपहार देते हैं। इस प्रकार वे ऊँच-नीच का भेद नहीं करते।

3. (क) खिलकर, धरती, संसार।
   (ख) खुशबू, ऊँच-नीच।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1. विद्यार्थी स्वयं पढ़कर सीखेंगे। आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक मदद कर सकते हैं।
2.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अपार | – | बहार | किनसे | – | इनसे |
| नीले | – | पीले | खिलते | – | मिलते |
| सजकर | – | चलकर | | | |

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी इन कार्यों को स्वयं करेंगे। अध्यापक निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. (क) लगते हमको कितने न्यारे।
   (ख) हरदम हँसते मिलते हैं।
   (ग) ऊँच-नीच का भेद न करते।
2. (क) कविता में फूलों के कई रंग बताए गए हैं – लाल, गुलाबी, हरे, पीले, सफ़ेद, नारंगी, चिट्टे या धब्बेदार तथा नीले।
   (ख) इस कविता का संदेश है कि जिस प्रकार फूल अपनी सुगन्ध सबको एक समान देते हैं, कोई भेद-भाव नहीं करते हैं। इसी प्रकार हमें भी सबके साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

3. कई रंगों के, जमीन, हमेशा, सफ़ेद या धब्बेदार
4.

| | | |
|---|---|---|
| प्यारा | – | मुझे छोटा बच्चा बहुत **प्यारा** लगता है। |
| पत्ता | – | पेड़ का **पत्ता** हरा होता है। |
| न्यारा | – | हमारा देश सब देशों से **न्यारा** है। |
| रंग-बिरंगे | – | **रंग-बिरंगे** फूलों को देखकर मन खुश हो जाता है। |

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

5. गुड़हल, गुलाब, चम्पा, जूही
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

# पाठ 5 : टिन्नी, गिट्टू और चूँ-चूँ

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
|---|
| • पशु-पक्षी प्रेम<br>• मिल-जुलकर रहना<br>• किसी की बातों में न आना<br>• कार्य का महत्त्व |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, एक शब्द में उत्तर देना |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग, समानार्थी शब्द, क्रिया |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | कारण, परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण सम्बन्ध, संदेश |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | 'मेरा प्रिय मित्र' विषय पर अनुच्छेद लिखना, तोते का चित्र बनाकर रंग भरना |
| जीवन कौशल<br>Life Skills | सहज बुद्धि से काम लेना, मिल-जुलकर रहना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

इस पाठ में अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार काम करने की शिक्षा दी गई है। एक समय की बात है, तीन मित्र थे – गिट्टू तोता, टिन्नी मुरगी और चूँ-चूँ चूहा। तीनों एक ही घर में रहते थे। तीनों ने घर के अलग-अलग काम बाँटे हुए थे। गिट्टू तोता जंगल से फल और नदी से पानी लाता था। टिन्नी मुरगी घर का काम करती थी। वह खाना भी बनाती थी। चूँ-चूँ चूहा बगीचे की देखभाल करता था। तीनों प्यार से मिल-जुलकर रहते थे। पास

ही पेड़ पर कालू कौआ रहता था। उसे तोते और मुरगी की मित्रता पसन्द नहीं थी। एक दिन उसने गिट्टू तोते से कहा – "मुरगी और चूहा तो सारा दिन घर में रहते हैं। कुछ भी काम नहीं करते। तुमसे नौकर की तरह काम करवाते हैं।" गिट्टू को यह बात सही लगी। इसलिए वह घर वापस आ गया। उसने यह बात टिन्नी मुरगी से कही। यह सुनकर टिन्नी ने कहा – "अच्छा! तुम ऐसा सोचते हो तो कल से तुम घर का काम करो। मैं पानी लाऊँगी।" गिट्टू यह बात मान गया। अगले दिन वह खाना बनाने लगा। उसे खाना बनाना नहीं आता था। इसलिए उसके हाथ जल गए। वह रोने लगा। कुछ देर बाद टिन्नी और चूँ-चूँ घर आए। उन्होंने देखा, खाना तो बना नहीं है और गिट्टू रो रहा है। चूँ-चूँ तुरन्त दवा लेकर आया। टिन्नी ने उसके हाथ पर दवा लगाई। फिर वह गिट्टू को समझाते हुए बोली – "कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जो काम ठीक से कर सकें, वही करना चाहिए।" अगले दिन वे तीनों फिर से मिल-जुलकर रहने लगे और अपना-अपना काम करने लगे।

**पाठ-योजना** Lesson Plan

1. यह पाठ मिल-जुलकर काम करने और किसी की बुरी बातों में न आने की सीख देता है। इस विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। पूछें, मिल-जुलकर काम करने से क्या होता है? एक-दूसरे का कहना मानने से क्या होता है ? एक-दूसरे पर भरोसा करने से क्या होता है? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। इसके बाद इस कहानी से मिलती-जुलती कोई अन्य कहानी सुना दें। फिर पूछें कि – 'कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता।' – इस विषय में आपके क्या विचार हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. टिन्नी, गिट्टू और कालू 'पक्षी' हैं। विद्यार्थियों से पूछें कि उन्हें कौन-कौनसे पक्षी अच्छे लगते हैं। अपने मनपसन्द पक्षी के बारे में बताने के किए कहें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**

- **गिट्टू तोता क्यों रो रहा था?**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि वह काम नहीं करना चाहता था।**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि वह खाना नहीं बनाना चाहता था।**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि खाना बनाते समय उसके हाथ जल गए थे।**

10. श्यामपट्ट पर **वचन, एकवचन और बहुवचन शब्दों की परिभाषा** उदाहरण सहित देकर उनके बारे में समझाएँ। उसके बाद कॉपी अथवा पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें। **समानार्थी शब्दों** को भी पहले श्यामपट्ट पर परिभाषा देकर उदाहरण सहित समझाएँ।
11. **काम अथवा क्रिया शब्दों** से सम्बन्धित **बहुविकल्पी प्रश्न** को **मौखिक रूप से** श्यामपट्ट पर लिखकर ही पूछ लें। पाठ्यपुस्तक में दिया गया प्रश्न गृहकार्य हेतु दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि कालू कौआ गिट्टू तोते के स्थान पर वह बात टिन्नी मुरगी से कहता तो क्या होता? क्या वह उसकी बातों में आती? आपको क्या लगता है?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

---

## **उत्तरमाला** Answers

---

### पाठ्यपुस्तक के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) तीन मित्र थे– गिट्टू तोता, टिन्नी मुरगी और चूँ-चूँ चूहा।
   (ख) तोते और मुरगी की दोस्ती पास के पेड़ पर रहने वाले कौए को अच्छी नहीं लगती थी।
   (ग) गिट्टू के हाथों में टिन्नी ने दवा लगाई।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ घर का काम (ख) ☑ बगीचे की देखभाल (ग) ☑ फल व पानी लाना

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) काले कौए ने गिट्टू तोते से कहा, "वे मुरगी और चूहा तो कुछ भी काम नहीं करते। वे तुमसे नौकर की तरह काम करवाते हैं। मुझे बहुत दुख होता है।"
   (ख) गिट्टू तोता खाना बनाने लगा तो उसके हाथ जल गए तथा खाना भी जल गया।
   (ग) अन्त में टिन्नी ने कहा, "घर का काम करने से कोई नौकर या मालिक नहीं बन जाता। सबको मिल-जुलकर काम करना चाहिए।"
3. (क) मित्र (ख) चूँ-चूँ (ग) कालू (घ) खाना

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1. नदी – नदियाँ | बोली – बोलियाँ
   सब्ज़ी – सब्ज़ियाँ | कली – कलियाँ
   दवाई – दवाइयाँ
2. विद्यार्थी स्वयं पढ़कर समझेंगे।
3. (क) ☑ लाना (ख) ☑ करती (ग) ☑ बनाना
   (घ) ☑ बोलना (ङ) ☑ रोना

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्याथी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन कौशल** Life Skills

विद्याथी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) मित्र
   (ख) कालू कौआ
   (ग) गिट्टू तोते का

2. (क) जंगल से फल गिट्टू तोता लाता था।
   (ख) नदी से पानी गिट्टू तोता लाता था।
   (ग) बगीचे की देखभाल चूँ-चूँ चूहा करता था।

3. (क) √ (ख) X (ग) √ (घ) √ (ङ) √

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4. मुरगी – मुरगियाँ
   नदी – नदियाँ
   सब्ज़ी – सब्ज़ियाँ
   बोली – बोलियाँ
   कली – कलियाँ
   दवाई – दवाइयाँ

5. विद्यार्थी समझकर स्वयं लिखेंगे। आप निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. 'तीन मित्र', 'अपना-अपना काम'। विद्यार्थी जो यथा संगत शीर्षक दें, उसे भी सही माना जाए।

7. (क) मिल-जुलकर काम करने से काम जल्दी हो जाता है।
   (ख) मिल-जुलकर काम करने से अधिक काम भी कम लगता है।
   (ग) मिल-जुलकर काम करने से कठिन काम भी सरलतपूर्वक हो जाता है।
   (घ) मिल-जुलकर काम करने से काम कठिन नहीं लगता और काम में मन भी लगता है।
   (ङ) मिल-जुलकर काम करने से एकता बनी रहती है।

# पाठ 6 : एकता में बल

| पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes |
|---|
| • बड़ों का आदर<br>• एकता का महत्त्व<br>• परिश्रम की सीख<br>• सहज बुद्धि से काम लेना |

| पाठ मूल्यांकन Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विशेषण, वाक्य रचना |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, समस्या समाधान, कार्य-कारण सम्बन्ध |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | समय एवं मेहनत से कार्य करने सम्बन्धी विषय पर वाक्य लिखना, एकता पर स्लोगन लिखना, पंचतन्त्र की कोई कहानी कक्षा में सुनाना |
| जीवन कौशल<br>Life Skills | मेहनत करना, समय पर कार्य करना, सहज बुद्धि से निर्णय लेना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह कहानी एकता के महत्त्व को दर्शाती है। बताती है कि जो काम मिल-जुलकर हो सकता है, वह अकेले नहीं किया जा सकता है। एकता में बहुत शक्ति होती है। किसी गाँव में एक बूढ़ा किसान रहता था। वह दिन-रात अपने खेतों में खूब मेहनत करता था। उसके

चार बेटे थे। चारों आज्ञाकारी थे, पर थे बड़े ही कामचोर! वे किसी भी काम में अपने पिता की सहायता नहीं करते थे। बस, आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे। यह देखकर किसान बहुत दुखी रहता था। एक बार किसान बहुत बीमार पड़ गया। उसे लगा कि अब वह नहीं बचेगा। अपने बेटों को समझाने का उसने एक उपाय निकाला। उसने चारों को बुलाया और कहा – "अब मैं बूढ़ा हो गया हूँ। कुछ काम नहीं कर सकता। क्या तुम मेरा एक काम कर सकते हो?" पहले बेटे ने कहा – "कहिए पिता जी!" किसान बोला – "तुम सब मेरे लिए कुछ लकड़ियाँ ले आओ।" पिता की आज्ञा के अनुसार चारों ने लकड़ियाँ लाकर पिता के सामने रख दीं। किसान ने उन लकड़ियों को एक साथ बाँधने के लिए कहा। जब लकड़ियाँ बाँध दी गई तो किसान बोला – "चलो, अब इन्हें तोड़कर दिखाओ।" चारों लड़कों ने बहुत कोशिश की। पर कोई भी बँधी हुई लकड़ियों को नहीं तोड़ पाया। फिर किसान ने लकड़ियों को खुलवाया और चारों बेटों के हाथ में एक-एक लकड़ी देकर बोला – "अब इन लकड़ियों को तोड़ दो।" चारों ने अपने-अपने हाथ में पकड़ी हुई लकड़ी आसानी से तोड़ दी। तब किसान ने उन्हें समझाया – "जब लकड़ियाँ एक साथ थीं, तब तुममें से कोई भी उन्हें नहीं तोड़ पाया, क्योंकि वे एक होकर शक्तिशाली हो गई थीं। जब उन्हें अलग किया गया तो तुमने उन्हें आसानी से तोड़ दिया, क्योंकि वे अलग होकर कमज़ोर हो गई थीं। इसी प्रकार, यदि तुम चारों मिलकर रहोगे तो कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकता है। लड़ते-झगड़ते रहोगे तो कोई भी तुम्हें हानि पहुँचा सकता है।" किसान के बेटों को उसकी बात समझ में आ गई। वे बोले – "अब हम मिल-जुलकर रहेंगे। कभी लड़ाई-झगड़ा नहीं करेंगे।" यह सुनकर किसान बहुत खुश हुआ। उसकी चिन्ता दूर हो गई।

### **पाठ-योजना** Lesson Plan

1. यह कहानी एकता पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें मेहनत करने का भाव भी छुपा हुआ है। विद्यार्थियों को बताएँ कि किस प्रकार दिन-रात मेहनत करके हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अतः हमें आलस नहीं करना चाहिए। हमें सदैव अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए और उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि वे अपने माता-पिता की सहायता कैसे करते हैं? क्या आप अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करते हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।

5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि मेहनत न करने और आपस में लड़ने-झगड़ने पर आधारित है, अतः विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे भी अपने भाई-बहनों से लड़ते हैं? वे उनके साथ कैसे रहते हैं? इस पर बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **किसान के बेटे बँधी हुई लकड़ियों को क्यों नहीं तोड़ पाए?**
     - ☐ **क्योंकि वे एक साथ होकर मज़बूत हो गई थीं।**
     - ☐ **क्योंकि भारी होने के कारण वे लकड़ियाँ उठा नहीं पा रहे थे।**
     - ☐ **क्योंकि लकड़ियाँ बहुत लम्बी थीं।**
10. श्यामपट्ट पर **विशेषण की परिभाषा** लिखकर, उदाहरण देते हुए **विशेषण** के बारे में समझाएँ। फिर मौखिक रूप से पूछें। अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में दिया विशेषण से सम्बन्धित अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि किसान की क्या चिन्ता थी?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

## पाठ्यपुस्तक के उत्तर

### पाठ-बोध Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) किसान के चार बेटे थे।
   (ख) खेतों में किसान मेहनत करता था।
   (ग) किसान ने अपने बेटों को कुछ लकड़ियाँ लाने के लिए कहा।
   (घ) इस पाठ से हमें मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा मिलती है।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ गाँव में (ख) ☑ खेतों में (ग) ☑ आलसी
(घ) ☑ मिल-जुलकर रहने लगे।

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) किसान के चारों बेटे किसी काम में अपने पिता की सहायता नहीं करते थे। वे सारा दिन लड़ते-झगड़ते रहते थे।
   (ख) किसान अपने बेटों को लड़ता-झगड़ता देखकर दुखी रहता था। वह यह सोचकर परेशान रहता था कि उसके बाद उसके बेटों का क्या होगा।
   (ग) किसान के बेटे आलसी और कामचोर थे। वे कभी अपने पिता की कोई सहायता नहीं करते थे। चारों हमेशा आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे।
   (घ) अन्त में किसान ने अपने बेटों को मिल-जुलकर रहने की सीख दी। किसान ने उनको समझाया कि यदि वे आपस में मिल-जुलकर रहेंगे तो कोई उनको हानि नहीं पहुँचा सकेगा।
3. (क) दुखी (ख) बल (ग) तोड़ (घ) मिल-जुलकर

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1.

| | | | |
|---|---|---|---|
| सुन्दर | मोर | हरा | तोता |
| बुद्धिमान | बालक | काला | कौआ |

2. आलसी – **आलसी** व्यक्ति जीवन में कभी सफल नहीं होता।
   मेहनती – मेरा मित्र बहुत **मेहनती** है।
   ईमानदार – **ईमानदार** व्यक्ति को किसी का भय नहीं होता।
   **(विद्यार्थी अपनी समझ से अलग-अलग वाक्य लिख सकते हैं।)**

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से सोचकर उत्तर देंगे। अध्यापक इनके विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन कौशल** Life Skills

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. (1) चारों आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे।
   (2) पिता की आज्ञा के अनुसार चारों ने लकड़ियाँ इकट्ठी कीं।
   (3) अब इस लकड़ी को तोड़ दो।
   (4) यदि तुम चारों आपस में मिल-जुलकर रहोगे तो कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकता।
   (5) किसान की बात चारों बेटों की समझ में आ गई।
2. (क) किसान यह सोचकर परेशान रहता था कि उसके बाद उसके चारों बेटों का क्या होगा।
   (ख) किसान ने चारों बेटों को समझाने के लिए अपने पास बुलाया।
   (ग) अन्त में किसान के चारों बेटों ने उसे वचन दिया कि अब से चारों मिल-जुलकर रहेंगे। कभी लड़ाई-झगड़ा नहीं करेंगे।
3. (क) "मैं अब बूढ़ा हो गया हूँ।" – **किसान ने।**
   (ख) "कहिए, पिता जी ! क्या कहना है?" – **पहले बेटे ने।**
   (ग) "पता नहीं, पिता जी ने लकड़ियाँ क्यों मँगवाई हैं !" – **तीसरे लड़के ने।**
   (घ) "हाँ, मुझे भी समझ नहीं आ रहा है।" – **दूसरे**

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शहर | x | गाँव | दूर | x | पास |
| जवान | x | बूढ़ा | सुखी | x | दुखी |
| आलसी | x | मेहनती | स्वस्थ | x | बीमार |
| आदर | x | अनादर | जोड़ना | x | तोड़ना |

5. आलस + ई = आल**सी**
   बीमार + ई = बीमा**री**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दुख | + | ई | = | दु**खी** |
| विदेश | + | ई | = | विदे**शी** |
| मेहनत | + | ई | = | मेहन**ती** |
| ईमानदार | + | ई | = | ईमानदा**री** |
| परेशान | + | ई | = | परेशा**नी** |
| आसान | + | ई | = | आसा**नी** |

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

# पाठ 7 : कबड्डी-कबड्डी

**पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes

- स्वास्थ्य
- खेल की जानकारी
- सामान्य ज्ञान का विस्तार
- खेलकूद का महत्त्व

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा? |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्द रचना (बहुवचन), वाक्य रचना |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, कार्य-कारण सम्बन्ध, कल्पना |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | मनपसन्द खेल पर पाँच वाक्य लिखना, गाँव-शहर में अन्तर बताना, चित्र में रंग भरना |

| | |
|---|---|
| जीवन कौशल<br>Life Skills | खेलों का जीवन पर क्या प्रभाव होता है, यह सीखना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह पाठ कबड्डी के खेल और स्वास्थ्य से सम्बन्धित है। हमें अपने शरीर को हर आयु में स्वस्थ रखना चाहिए। सोनू घर के हॉल में लगातार "कबड्डी-कबड्डी!" बोल रहा है। तभी उसकी बुआ की बेटी मोना अंदर आते हुए सोनू के बड़े भाई रौनक से पूछती है – "ये कबड्डी- कबड्डी क्या है रौनक भैया?" मोना कबड्डी के खेल के बारे में कुछ नहीं जानती है। रौनक कहता है – "आज गाँव में कबड्डी का मैच है। चलो, वहाँ चलते हैं, फिर देखना कबड्डी का खेल!" रौनक, सोनू और मोना तीनों गाँव के मैदान में आ जाते हैं। रौनक बताता है – कबड्डी के खेल में दोनों टीमों में सात-सात खिलाड़ी होते हैं। एक टीम रेडर और दूसरी डिफेंडर कहलाती है। एक टीम का खिलाड़ी "कबड्डी-कबड्डी" बोलता हुआ दूसरी टीम के पाले में आता है। अगर डिफेंडर टीम के खिलाड़ी उसे पकड़ लेते हैं तो उन्हें अंक मिलते हैं और वह खिलाड़ी खेल से बाहर हो जाता है। और, अगर वह खिलाड़ी अपने पाले में जाने से पहले जितने भी खिलाड़ियों को छू लेता है, वे सब आउट हो जाते हैं। रौनक आगे बताता है – यह खेल चालीस मिनट तक चलता है और बीच में पाँच मिनट का ब्रेक होता है। वह मैच भी चालीस मिनट तक चलता है और एक टीम जीत जाती है। इसके बाद तीनों हँसते हुए और बातें करते हुए घर वापिस आ जाते हैं।

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ भारतीय खेल कबड्डी के विषय में है। साथ ही स्वास्थ्य रक्षा की ओर भी प्रेरित करता है। विद्यार्थियों को बताएँ कि नियमित सैर, नियमित व्यायाम, योगासन और मनपसन्द खेल-कूद शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बहुत ज़रूरी हैं। फिर उनसे इस सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर करें। विद्यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें।
2. इसके बाद अन्य भारतीय खेलों जैसे– खो-खो, स्टापू, गिट्टे, आदि के विषय में बातें करें। पूछें, वे कौन-कौन से खेल खेलते हैं? कौन-सा भारतीय खेल उन्हें सबसे अच्छा लगता है?
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।

4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखाकर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब पूछें कि क्या खेल बड़ी आयु के लोगों के लिए भी आवश्यक हैं? बड़ी आयु के लोग खेलेंगे, व्यायाम करेंगे तो क्या होगा? और ऐसा नहीं करेंगे तो क्या होगा? क्या खेल और व्यायाम हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आवश्यक है?
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **मोना को किस खेल के बारे में नहीं पता था?**
     - ☐ **खो-खो**
     - ☐ **स्टापू**
     - ☐ **कबड्डी**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** में दिए गए **शब्दों** से पहले **मौखिक रूप से** ही शब्द बनवा लें। अन्य उदाहरण भी दें। फिर कॉपी में लिखने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में **वाक्यों में परिवर्तन** किस प्रकार करना है, यह श्यामपट्ट पर बता दें। उसके बाद कॉपी अथवा पुस्तक में लिखने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि हम खेलेंगे-कूदेंगे नहीं तो उसका हमारे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा? इस बातचीत में प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करें।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही, **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

# **उत्तरमाला** Answers

## पाठ्यपुस्तक के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) मोना अपने मामा जी के गाँव धौलपुर आई है।
   (ख) रौनक मोना के मामा जी का बेटा है।
   (ग) सोनू 'कबड्डी-कबड्डी' की रट लगा रहा था।
   (घ) पाठ में 'कबड्डी' खेल की बात हो रही है।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ सात-सात (ख) ☑ आउट माने जाएँगे। (ग) ☑ चालीस मिनट तक

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) रौनक, मोना और सोनू गाँव के मैदान में कबड्डी का खेल देखने जा रहे हैं।
   (ख) मैदान सुन्दर सजा हुआ था। उसके बीच में सफ़ेद धारियों से पाला बना हुआ था।
   (ग) कबड्डी खेलने वाली टीमों में से एक टीम 'रेडर' और दूसरी टीम 'डिफेंडर' कहलाती हैं।
   (घ) कबड्डी चालीस मिनट तक खेले जाने वाला खेल है। इसमें दो टीमें – रेडर और डिफेंडर– होती हैं। प्रत्येक टीम में सात-सात खिलाड़ी होते हैं। रेडर का खिलाड़ी 'कबड्डी-कबड्डी' बोलता हुआ दूसरी टीम में जाकर जितने भी खिलाड़ियों को छू लेगा, वे सभी आउट हो जाएँगे और यदि वह रेडर खिलाड़ी पकड़ा गया, तब वह आउट हो जाएगा। इस प्रकार यह खेल खेला जाता है।
3.

| | | |
|---|---|---|
| (क) | रौनक ने | मोना से |
| (ख) | सोनू ने | रौनक से |
| (ग) | रौनक ने | मोना से |
| (घ) | मोना ने | रौनक से |

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

| | |
|---|---|
| 1. साँसों | गाँवों |
| पालों | अपनों |
| मैदानों | |

2. (क) क्या! तुम आज खेलने नहीं आओगे!
   (ख) क्या! आज हम सब सर्कस देखने जाएँगे!
   (ग) क्या! तुम आज स्कूल नहीं जाओगे!
   (घ) क्या! तुम दोनों नौका-दौड़ देखने जाओगे!

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) कबड्डी
   (ख) पाला
   (ग) सात-सात
   (घ) चालीस
2. (क) रौनक के गाँव में कबड्डी का खेल खेला जा रहा था।
   (ख) रौनक का प्रिय खेल कबड्डी है।
   (ग) मोना को कबड्डी का खेल बहुत अच्छा लगा। उसे कबड्डी का खेल देखने में बहुत मजा आया।
3. (क) मैदान – 4. गाँव का
   (ख) खेल का नाम – 3. कबड्डी
   (ग) धौलपुर – 1. गाँव का नाम
   (घ) रेडर-डिफेंडर – 2. टीम का नाम
   (ङ) पाला – 5. खेल के लिए बनी हुई जगह

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | खेला जाता है। | – | क्रिकेट का खेल मैदान में **खेला जाता है।** |
| | आवाज़ आती है। | – | रोज़ शाम को पेड़ पर कोयल के बोलने की **आवाज़ आती है।** |
| | गूँज उठती है। | – | खाली कमरे में आवाज़ **गूँज उठती है।** |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | **घर के अन्दर** | **घर के बाहर** |
| | कैरम | क्रिकेट |
| | लूडो | फुटबॉल |
| | साँप-सीढ़ी | लॉन टेनिस |
| | स्क्रेबल | बैडमिंटन |

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## पाठ 8 : दो चिड़ियाँ

**पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes

- पशु-पक्षी प्रेम
- प्रकृति प्रेम
- आज़ादी का महत्त्व
- सहायता एवं सहयोग

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कविता |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, एकवचन-बहुवचन |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | अनुमान, कारण, वर्णन, आशय, समस्या समाधान |

| | |
|---|---|
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | कविता-गान, कविता का नाट्य-रूपान्तरण, आज़ादी का महत्त्व बताना |
| जीवन मूल्य<br>Values | आज़ादी का महत्त्व समझना, पशु-पक्षियों के प्रति दया भाव |
| डिजिटल<br>Digital | कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## कविता का सारांश Summary

इस कविता के माध्यम से कवि स्वतन्त्रता का महत्त्व बता रहे हैं। घर के पिंजरे में रहने वाली चिड़िया से एक दिन वन में स्वतन्त्र रहने वाली चिड़िया मिलती है। तब वन में रहने वाली चिड़िया पिंजरे में रहने वाली चिड़िया से कहती है कि वह पिंजरे से बाहर आ जाए और उसके साथ वन में चले। इसपर पिंजरे की चिड़िया उससे कहती है कि तू इस पिंजरे में आ जा और यहीं रह, ताकि हम आपस में बातें कर सकें। "मैं क्यों फँसूँ इस बंधन में!" वन की चिड़िया तपाक से कहती है। इसपर वन की चिड़िया उदास होकर रो पड़ी। फिर वह बोली – "मैं इस सोने के घर को छोड़कर वन-वन क्यों भटकूँ!" इस तरह घर की चिड़िया घर में ही रही और वन की चिड़िया वन में चली गई।

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को **कविता का सार** समझाएँ, जो ऊपर दिया गया है। फिर विद्यार्थियों से स्वतन्त्रता का महत्त्व पूछें। पूछें कि हमें स्वतन्त्रता कब मिली? कुछ स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम भी पूछ लें। अब पूछें कि क्या पक्षियों को पिंजरों में बंद करके रखना अच्छी बात है? इस विषय में उनके विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पूछें, कि वन में रहने वाले पक्षियों और शहर में रहने वाले पक्षियों के जीवन में क्या अन्तर होता होगा? कल्पना करके बताने के लिए कहें। इस चर्चा या बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. **कविता का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें –**
   - **यह कविता किस विषय पर आधारित है?**
     - ☐ **शहर में रहने वाले पक्षियों पर**
     - ☐ **स्वतन्त्रता पर**
     - ☐ **वन में रहने वाले पक्षियों पर**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** में दिए गए **समानार्थी शब्द** श्यामपट्ट पर उदाहरण देते हुए समझाएँ। उसके बाद दिया गया अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले **मौखिक रूप** से बताएँ कि दिए गए शब्दों का **'वचन'** किस प्रकार बदलना है। फिर श्यामपट्ट पर लिख कर समझा दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

---

## **उत्तरमाला** Answers

---

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) घर की चिड़िया पिंजरे में रहने वाली है।

(ख) वन की चिड़िया उन्मुक्त विचारों वाली प्राणी है।
(ग) वन की चिड़िया वन में रहती थी।
(घ) पिंजरे की चिड़िया अपने बन्धनों के बारे में सोचकर उदास हो गई।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ पिंजरे में (ख) ☑ वन से (ग) ☑ सोने का घर ☑ पिंजरे को

**लिखित** Writing

1. (क) वन की चिड़िया घर की चिड़िया से बोली कि वह उड़कर वन में आ जाए।
   (ख) घर की चिड़िया ने वन की चिड़िया से पिंजरे में आकर रहने को कहा।
   (ग) घर की चिड़िया का पिंजरा सोने का था।
   (घ) वन की चिड़िया पिंजरे में फँसना नहीं चाहती।
2. (क) पिंजरे, वन
   (ख) बस जा, मन
   (ग) उदास, मन-ही-मन

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1. विधि – ☑ भाग्य
   दिवस – ☑ दिन
   दुखी – ☑ उदास
   बसना – ☑ रहना
2. पुड़िया – पुड़ियाँ | डिबिया – डिबियाँ
   बुढ़िया – बुढ़ियाँ | गुड़िया – गुड़ियाँ

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इनके विषय में बातें करें। उनके विचार सुने और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ एवं मूल्यांकन करें।

**जीवन मूल्य** Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ एवं मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. (क) थी कुछ विधि के मन में।
   (ख) मन-ही-मन में रो ली।
2. (क) वन की चिड़िया पिंजरे की चिड़िया से कह रही है कि वह पिंजरे को छोड़कर बाहर आ जाए। उसके साथ वन में चले।
   (ख) पिंजरे की चिड़िया वन की चिड़िया से कह रही है कि वह सोने के पिंजरे को छोड़कर वन में जाकर नहीं भटकेगी।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

3. खाली x भरा
   दिन x रात
   उदास x खुश
   आज़ादी x बन्धन
   हँसना x रोना
4. (क) गधा (ख) पतंग (ग) नल (घ) मछली

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

# पाठ 9 : कान्ति की बहादुरी

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
|---|
| • वीरता<br>• बुद्धिमानी<br>• आत्म-विश्वास<br>• सजग बुद्धि से काम लेना |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, वाक्य रचना |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, चरित्र-चित्रण, कार्य-कारण सम्बन्ध, समस्या समाधान |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | सूची बनाना, इंटरनेट से बहादुरी की सच्ची कहानी ढूँढ़कर कक्षा में सुनाना |
| जीवन कौशल<br>Life Skills | सजग बुद्धि से काम लेना, संकट में बुद्धिमानी और साहस से काम लेना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह कहानी एक ऐसी बालिका के विषय में है, जिसने छोटी-सी आयु में अपनी जान की परवाह किए बिना, अपनी छोटी बहन की रक्षा की। यह सच्ची कहानी है – कान्ति नामक बालिका की बहदुरी की। वह छत्तीसगढ़ राज्य के मोहनपुर नामक गाँव में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। वह तब केवल छह साल की ही थी। मोहनपुर के आस-पास के जंगलों में हाथी रहते थे। वे गाँवों में घुसकर घरों, फसलों, जानवरों और लोगों को नुकसान पहुँचाते थे। 17 जुलाई, 2018 का दिन था। जंगली हाथियों का एक झुंड गाँव में घुस आया और

गाँव को तहस-नहस करने लगा। गाँववाले जान बचाने के लिए भागने लगे। कान्ति का परिवार भी सुरक्षित स्थान पर छुप गया। अचानक उन्हें याद आया कि कान्ति की तीन साल की छोटी बहन सोनिया घर पर ही रह गई है। सब परेशान हो गए। सोचने लगे कि अब क्या करें? सब सोच ही रहे थे कि कान्ति तेज़ी से वहाँ से भागी। वह जंगली हाथियों के बीच में से निकलती हुई घर गई और अपनी बहन को सुरक्षित स्थान पर ले आई। उसकी इस वीरता के लिए भारत सरकार ने उसे वीरता पुरस्कार दिया।

**पाठ-योजना** Lesson Plan

1. यह कहानी साहस और सूझ-बूझ पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें कर्त्तव्य पालन जैसे सद्गुणों का भी समावेश है। विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें अपने से छोटों की संकट में सहायता करनी चाहिए और उनकी रक्षा भी करनी चाहिए। हमें सदैव उनका भला सोचना चाहिए। यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर बाल वीरता की कोई और सच्ची कहानी सुना दें। उनसे पूछें क्या वे भी इसी तरह की कोई सच्ची कहानी जानते हैं? यदि हाँ, तो उनसे सुनाने के लिए कहें। फिर उस कहानी पर बातचीत करें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि साहस पर आधारित है, अतः इससे सम्बन्धित कोई कहानी पुस्तकालय जाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। फिर उनसे पूछें कि क्या आप ऐसे किसी बच्चे या व्यक्ति को जानते हैं, जिसने अपने साहस से किसी की जान बचाई हो? जो विद्यार्थी साहस से सम्बन्धित कोई घटना सुनाना चाहता है, उसे सुनाने दें और उसपर बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **सोनिया कौन थी?**
     - ☐ **कान्ति की बहन**
     - ☐ **कान्ति की माँ**
     - ☐ **कान्ति की दादी**

10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत दी गई **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर **विलोम शब्दों की परिभाषा** बता दें। फिर दिए गए शब्दों के **लिंग मौखिक रूप से** ही पूछ लें। उसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में पहले **मौखिक रूप से** ही दिए गए **शब्दों का वाक्यों में प्रयोग** करवा लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि क्या कारण रहा होगा कि कान्ति ने अपनी छोटी बहन की जान बचाने के लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं की?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

## **उत्तरमाला** Answers

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर इनका उच्चारण करेंगे।
1. (क) यह कान्ति की बहादुरी की कहानी है।
   (ख) कान्ति छत्तीसगढ़ राज्य के मोहनपुर नामक गाँव में रहती है।
   (ग) कान्ति केवल छह वर्ष की थी, जिस समय की यह घटना है।
   (घ) घर पर कान्ति की छोटी बहन सोनिया रह गई थी।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ सोनिया (ख) ☑ जंगली हाथियों से (ग) ☑ बहादुर

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) मोहनपुर और उसके आस-पास जंगल थे।
   (ख) गाँव में अचानक जंगली हाथियों का झुण्ड आ गया। वह झुण्ड पूरे गाँव को तहस-नहस करने लगा। इसलिए गाँव के लोग भागने लगे।
   (ग) कान्ति अपनी बहन को बचाने के लिए जंगली हाथियों के बीच में से निकलती हुई अपने घर में घुसी। वहाँ उसने अपनी छोटी बहन को उठाया और फिर हाथियों से बचाती हुई उसे सुरक्षित स्थान पर ले गई। इस प्रकार कान्ति ने अपनी छोटी बहन को बचाया।
   (घ) कान्ति को भारत सरकार ने वीरता पुरस्कार दिया।
3. (क) छह (ख) नुकसान (ग) घर (घ) परेशान (ङ) वीरता

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| झूठी | x | सच्ची | दण्ड | x | पुरस्कार |
| रात | x | दिन | शहर | x | गाँव |
| बड़ी | x | छोटी | असुरक्षित | x | सुरक्षित |

2. **गाँव** – भारत के **गाँव** बहुत सुन्दर हैं।
   **जंगली** – जंगल के पशुओं को **जंगली** पशु कहते हैं।
   **सुरक्षित** – हम अपने घरों में **सुरक्षित** रहते हैं।
   **अचानक** – **अचानक** मुसीबत आए तो हमें घबराना नहीं चाहिए

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय में बातें करें। उनके विचार जानें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. (√) यह कान्ति की बहादुरी की सच्ची कहानी है।
   (√) जंगली भैंसों का एक झुण्ड गाँव में आ गया था।
   (√) गाँव वाले सुरक्षित जगह की ओर भागने लगे।
   (√) कान्ति को ज़रा भी डर नहीं लगा।

2. (क) हाथी गाँव में घुसकर घरों, फसलों, जानवरों और लोगों को नुकसान पहुँचाते थे।
   (ख) कान्ति के परिवार को अचानक याद आया कि कान्ति की तीन साल की छोटी बहन सोनिया घर पर ही रह गई है।
   (ग) कान्ति को वीरता पुरस्कार दिया गया।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

3. (क) की (ख) की (ग) के (घ) की (ङ) का

4. (क) तुम कहाँ रहते हो?
   (ख) मेरा नाम खुशबू है।
   (ग) विमल, अनिल, रमेश और अमर पक्के मित्र हैं।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

---

# पाठ 10 : ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

---

**पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes

- देश प्रेम
- परिश्रम
- वैज्ञानिक सोच का विकास
- कठिनाइयों में भी हार न मानना

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | जीवनी |
| पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, सही-गलत का चिह्न लगाना |
| भाषा और व्याकरण Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पुल्लिंग. -स्त्रीलिंग, विलोम शब्द, क्रिया |
| चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, चरित्र-चित्रण, कार्य-कारण सम्बन्ध |

| | |
|---|---|
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | जीवन-लक्ष्य के बारे में बताना, इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करके लिखना, स्क्रेप बुक में चित्र चिपकाना |
| जीवन कौशल<br>Life Skills | वैज्ञानिक सोच की ओर प्रेरित करना, देश के प्रति प्रेम की भावना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह पाठ प्रसिद्ध वैज्ञानिक और हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम पर आधारित है। बालक कलाम ने एक दिन अपने विज्ञान के अध्यापक से पूछा – "हम भी पक्षी की तरह आसमान में क्यों नहीं उड़ सकते?" जब उनसे पूछा जाता कि तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो तो वे कहते – "मैं नारियल तोड़ने वाला बनूँगा। मैं पेड़ पर चढ़ कर दूर-दूर तक देखूँगा।" तात्पर्य यह है कि बचपन से ही बालक अब्दुल के मन में विज्ञान से सम्बन्धित कई तरह के प्रश्न उठते थे। हवाई जहाज़ को उड़ता हुआ देखकर उन्होंने सोचा कि वे तो पायलट ही बनेंगे। अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में धनुषकोडि नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता समुद्र में नाव चलाते थे। उनका बचपन बहुत गरीबी में बीता। परिवार की सहायता के लिए वे छोटी आयु में ही समाचार-पत्र बेचने लगे। उनकी पढ़ने-लिखने में बहुत रुचि थी। वे घंटों पढ़ाई करते थे। शिक्षा पूरी करने के बाद वे रक्षा अनुसंधान में एक वैज्ञानिक के रूप में काम करने लगे। 1969 में वे 'इसरो' में आ गए। 26 जुलाई, 2002 को उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्हें पद्म विभूषण और भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया है। मिसाइल के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के कारण उन्हें 'मिसाइल मैन' के नाम से भी जाना जाता है। उनके जन्मदिन को 'विश्व छात्र दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 27 जुलाई, 2015 को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनका निधन हो गया। भारत को अपने इस रत्न पर गर्व है।

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ एक वैज्ञानिक से सम्बन्धित है। विद्यार्थियों को कुछ भारतीय वैज्ञानिकों के नाम बताएँ। उनके द्वारा किए गए एक-दो आविष्कारों की जानकारी भी दे दें। यदि विद्यार्थियों के कुछ प्रश्न हों तो उनके भी उत्तर दे दें।
2. अब **पाठ पढ़कर** सुना दें। फिर पूछें कि जिस प्रकार अब्दुल कलाम ने दिन-रात मेहनत करके विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दिया, क्या आप ऐसे किसी वैज्ञानिक के बारे में बता सकते हैं? यदि हाँ तो उसके बारे में बताएँ। पूछें, कौन-कौन बड़ा होकर वैज्ञानिक बनाना चाहता है? वे किस चीज़ की खोज करना चाहेंगे और इसके

लिए वे क्या-क्या करेंगे? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि विज्ञान पर आधारित है, अत: विज्ञान से सम्बन्धित बातें करें। पूछें कि विज्ञान किस प्रकार हमारे दैनिक जीवन के कामों में हमारी सहायता करता है? इस विषय पर चर्चा करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **बालक कलाम बचपन में क्या बेचकर अपने परिवार की सहायता करते थे?**
     - ☐ **फल और सब्ज़ी**
     - ☐ **खिलौने**
     - ☐ **समाचार-पत्र**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-2** में दिए गए **'विलोम'** शब्दों का मिलान करके पहले श्यामपट्ट पर समझा दें। कुछ अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
11. **गतिविधि-3** में पहले श्यामपट्ट पर समझा दें, कि किस प्रकार समझकर लिखना है। कुछ अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि डॉक्टर कलाम को 'मिसाइल मैन' क्यों कहा जाता है?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

## पाठ्यपुस्तक के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) यह पाठ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विषय में है।
   (ख) डॉ. कलाम के पिता का नाम जैनुलाब्दीन तथा माता का नाम आशियम्मा था।
   (ग) डॉ. कलाम को 'मिसाइल मैन' के नाम से भी जाना जाता है।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ तमिलनाडु (ख) ☑ पायलट (ग) ☑ भारत रत्न
(घ) ☑ 'विश्व छात्र दिवस'

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) "तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो अब्दुल?" यह पूछने पर बालक कलाम ने उत्तर दिया, "मैं नारियल तोड़ने वाला बनूँगा।"
   (ख) शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. कलाम रक्षा अनुसन्धान में एक वैज्ञानिक के रूप में काम करने लगे।
   (ग) डॉ. कलाम ने प्रसिद्ध वैज्ञानिक, विक्रम साराभाई के साथ काम किया था।
3. (क) ☒ (ख) ☑ (ग) ☑ (घ) ☑

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1. बहन – भाई | बालिका – बालक
   माता – पिता | अध्यापिका – अध्यापक
2. धरती x आसमान
   प्रिय x अप्रिय
   गरीब x अमीर
   रुचि x अरुचि
3. सवाल → पूछना
   उत्तर → देना
   आज्ञा → माँगना
   आज्ञा → मानना

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से भिन्न उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इनके विषय में बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन मूल्य** Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) राष्ट्रपति
   (ख) गणित
   (ग) भारत रत्न
2. (क) डॉक्टर कलाम के पिता समुद्र में नाव चलाते थे।
   (ख) डॉक्टर कलाम ने बी.एससी. की परीक्षा तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कालेज से विज्ञान विषय में प्राप्त की थी।
   (ग) डॉक्टर कलाम ने सन् 1969 में 'इसरो' में काम करना शुरू किया।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

3.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नटखट | – | बन्दर | हरे-भरे | – | पेड़ |
| पीला | – | आम | सुखी | – | परिवार |
| रंग-बिरंगी | – | पतंगें | सर्वोच्च | – | सम्मान |
| बुद्धिमान | – | छात्र | नटखट | – | बालक |

4. दूर-दूर – मुझे रेगिस्तान में **दूर-दूर** तक कोई पेड़ नजर नहीं आया।
   नई-नई – यह इमारत **नई-नई** बनी है।
   तरह-तरह – बगीचे में **तरह-तरह** के फूल खिले हुए थे।
   ढूँढ़ते-ढूँढ़ते – सब्ज़ीवाले को **ढूँढ़ते-ढूँढ़ते** मैं गली के बाहर तक आ गया, पर वह कहीं नहीं मिला।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

# पाठ 11 : पेड़ लगाएँ

| **पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes |
|---|
| • प्रकृति प्रेम<br>• प्रकृति संरक्षण<br>• परोपकार<br>• निस्वार्थ भावना |

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कविता |
| पाठगत विशेषताएँ<br>Thematic Approach | अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान |
| भाषा और व्याकरण<br>Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, विशेषण |
| चिंतन और समस्या समाधान<br>Critical Thinking & Problem Solving | वर्णन, कार्य-कारण सम्बन्ध, कारण, परिणाम, कल्पना, अनुमान |
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | अनुच्छेद लेखन, कल्पना करके बताना, कविता लेखन |
| जीवन मूल्य<br>Values | पेड़-पौधों का महत्त्व, प्रकृति संरक्षण एवं परोपकार |
| डिजिटल<br>Digital | कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## कविता का सारांश Summary

यह कविता पेड़-पौधों के महत्त्व को प्रतिपादित कर रही है। कविता में कवि कह रहे हैं कि हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए। उनकी रक्षा करनी चाहिए, जहाँ घने-घने पेड़ होते हैं, वहाँ का वातावरण बहुत शुद्ध होता है। पेड़ लगाने से धरती खुशहाल बनती है। पेड़ हमें फल-फूल तो देते ही हैं, साथ ही वे मिट्टी को सम्हाले रहते हैं, उसके कटाव को रोकते हैं। पेड़ों से हमें छाया मिलती है। ये धरती को हरा-भरा और सुन्दर बनाते हैं। इनसे हमें शुद्ध हवा तो मिलती ही है, साथ ही हमें कई तरह की औषधियाँ भी मिलती हैं।

यदि धरती पर पेड़-पौधे नहीं होंगे तो हमारा जीवन मुश्किल हो जाएगा। पेड़ सदा हमारा भला करते हैं और बदले में हमसे कुछ भी नहीं लेते हैं। अतः हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए, ताकि धरती पर खुशहाली बनी रहे।

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में अधिक-से-अधिक पेड़-पौधे लगाने, उनकी रक्षा करने एवं उनके महत्त्व के विषय में बताया गया है। विद्यार्थियों से पेड़-पौधों के विषय में बातें करें। उन्हें पेड़-पौधों का महत्त्व समझाएँ। फिर पूछें कि पेड़-पौधे हमारे लिए क्या-क्या करते हैं? उन्हें कौन-सा पेड़ या पौधा सबसे अच्छा लगता है? उनके घर में कौन-कौनसे पेड़ या पौधे लगे हुए हैं? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब कविता पढ़कर सुना दें। फिर पूछें, यदि मनुष्य अपनी ज़रूरतों के लिए पेड़ों को काटता चला जाएगा तो इसका क्या असर होगा? कविता में पेड़-पौधों की जो-जो विशेषताएँ बताई गई हैं, उनके आधार पर पेड़-पौधों का महत्त्व बताने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. इसके बाद विद्यार्थियों से पेड़-पौधों के नाम तथा उनपर लगने वाले फूलों और फलों के विषय में भी बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
    - **इनमें से क्या पेड़-पौधों से नहीं मिलता है?**
        - ☐ **प्लास्टिक**
        - ☐ **आक्सीजन**
        - ☐ **फल और फूल**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत दी गई **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्द** समझा दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।

11. **गतिविधि-2** में दिए गए **शब्दों के सही विशेषण शब्द** पहले **मौखिक रूप से** पूछ लें। फिर श्यामपट्ट पर अतिरिक्त उदाहरण द्वारा भी समझाएँ। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि कवि ने क्या केवल जंगल में पाए जाने वाले पेड़-पौधो की रक्षा करने की बात की है या फिर सभी पेड़-पौधों की?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

## **उत्तरमाला** Answers

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्द पढ़कर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) कवि पेड़ लगाने के लिए कह रहे हैं।
   (ख) पेड़ लगाकर धरती खुशहाल बनेगी।
   (ग) पेड़ हमें फल, छाया, शुद्ध हवा, दवा इत्यादि देते हैं।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ प्लास्टिक (ख) ☑ मुश्किल (ग) ☑ उपकार

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) पेड़ों के अनेक लाभ हैं– पेड़ों से हमें फल, छाया, शुद्ध हवा, दवा इत्यादि प्राप्त होते हैं। पेड़ों से धरती सजती है, मिट्टी को बल मिलता है।

(ख) 'पेड़ संभाले मिट्टी का बल'– पेड़ अपनी जड़ों से मिट्टी को जकड़कर रखती है। इस प्रकार वे मिट्टी का बल संभालकर रखती है।

(ग) पेड़ न होते तो हमें खाने को फल-सब्ज़ी न मिलते, शुद्ध हवा न मिलती। इस प्रकार पेड़ न होते तो हमारा जीवन मुश्किल होता।

3. (क) शुद्ध हवा, दवा

(ख) धरती, मुश्किल

(ग) उपकार, माँगा

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| वृक्ष | = | पेड़ | साफ़ | = | शुद्ध |
| छाँव | = | छाया | कठिन | = | मुश्किल |
| पृथ्वी | = | धरती | शक्ति | = | बल |

2.

| | |
|---|---|
| सुहाना | मौसम |
| सुन्दर | परी |
| ठण्डा | पानी |
| गहरा | तालाब |

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन मूल्य** Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

1. (क) खुशहाल

(ख) पेड़ों से

(ग) मुश्किल

2. (क) प्रस्तुत कविता पेड़ लगाने और धरती को हरा-भरा बनाने से सम्बन्धित है।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का अर्थ है कि पेड़ अपने लिए कभी कुछ नहीं माँगते। ये बिना किसी से कुछ भी लिए सबका उपकार करते हैं।

3. (क) पेड़ देते हैं शुद्ध हवा,
और इनसे मिलती है दवा।

(ख) पेड़ों से है छाया मिलती,
पेड़ों से ही धरती सजती।

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

4. धरती – ज़मीन
शुद्ध – स्वच्छ
मुश्किल – कठिन
उपकार – भलाई

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## पाठ 12 : लकड़हारे की कुल्हाड़ी

**पाठ उपलब्धियाँ** Learning Outcomes

- प्रकृति प्रेम
- सच्चाई
- ईमानदारी
- कर्त्तव्य पालन

| **पाठ मूल्यांकन** Lesson Components | |
|---|---|
| विधा Genre | कहानी |
| पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach | पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न |
| भाषा और व्याकरण Language & Grammar | उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, एकवचन-बहुवचन |
| चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving | चरित्र-चित्रण, वर्णन, कारण, परिणाम, अनुमान, समस्या समाधान |

| | |
|---|---|
| रचनात्मक कार्य<br>Art Integration | अभिनय, इंटरनेट से कहानी ढूँढ़कर कक्षा में सुनाना, कहानी समझकर उसके आगे 1, 2, 3... लिखना |
| जीवन मूल्य<br>Values | सच्चाई और ईमानदारी का महत्त्व समझना |
| डिजिटल<br>Digital | ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि |

## पाठ का सारांश Summary

यह कहानी ईमानदारी पर आधारित है। एक समय की बात है। किसी गाँव में एक लकड़हारा रहता था। वह बहुत गरीब था। वह रोज़ जंगल से लकड़ियाँ काटता था और उन्हें बाज़ार में बेचता था। उससे जो पैसे मिलते, उनसे वह अपने परिवार का पालन करता था। एक दिन की बात है, वह नदी के किनारे लगे हुए एक सूखे पेड़ की लकड़ियाँ काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। वह परेशान होकर रोने लगा। सोचने लगा – "अब मैं अपने परिवार का पालन कैसे करूँगा?" उसके पास कोई दूसरी कुल्हाड़ी भी नहीं थी। वह सच्चे मन से ईश्वर से प्रार्थना करने लगा – "हे भगवन! मुझे मेरी कुल्हाड़ी वापस दे दो।" उसकी सच्ची प्रार्थना से उस नदी के देवता प्रसन्न हो गए। उन्होंने प्रकट होकर उससे पूछा कि उसे क्या कष्ट है? वह उन्हें बताता है कि उसकी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई है। वही उसका एकमात्र सहारा है। यह सुनकर नदी के देवता नदी में से पहले सोने की और फिर चाँदी की कुल्हाड़ी लेकर आते हैं। पर लकड़हारा दोनों ही कुल्हाड़ियाँ यह कहकर लेने से मना कर देता है कि वे उसकी कुल्हाड़ियाँ नहीं हैं। अन्त में देवता उसकी लोहे की कुल्हाड़ी लेकर आते हैं। अपनी कुल्हाड़ी देखकर लकड़हारा प्रसन्न होता हुआ कहता है कि यही उसकी कुल्हाड़ी है। देवता उसकी सच्चाई से बहुत प्रसन्न होते हैं और लोहे की कुल्हाड़ी के साथ-साथ, सोने और चाँदी की कुल्हाड़ी भी उसे दे देते हैं। लकड़हारा बहुत प्रसन्न होता है। देवता को धन्यवाद देकर हुआ वह अपने घर चला जाता है।

## पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी ईमानदारी और सच्चाई पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें कर्त्तव्य पालन की भावना भी है। विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें कभी भी अपने कर्त्तव्य पालन से पीछे नहीं हटना चाहिए। सदैव सत्य का साथ देना चाहिए और सत्य ही बोलना चाहिए। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि देवता ने लकड़हारे को सत्य बोलने का इनाम दिया। इसी प्रकार क्या आप ऐसी कोई घटना या कहानी जानते हैं, जिसमें किसी को उसकी ईमानदारी और सच्चाई के बदले पुरस्कार मिला हो? यदि हाँ, तो उसे बताने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि सत्य और ईमानदारी पर आधारित है, अतः विद्यार्थियों से इन गुणों पर चर्चा करें। पूछें कि जिनमें ये गुण होते हैं, लोग उन्हें पसन्द करते हैं या नापसन्द? तर्क सहित बताने को कहें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **लकड़हारे की कुल्हाड़ी किस धातु की बनी हुई थी?**
     - ☐ **सोने की**
     - ☐ **लोहे की**
     - ☐ **चाँदी की**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** में दिए गए **समानार्थी शब्दों से सम्बन्धित बहुविकल्पी प्रश्न** पहले श्यामपट्ट पर ही पूछ लें, उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में हल करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर **वचन और उसकी परिभाषा** उदाहरण सहित समझा दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में हल करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि लकड़हारा ईमानदार और सच्चा नहीं होता तो क्या होता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।

15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

---

## **उत्तरमाला** Answers

---

### **पाठ्यपुस्तक के उत्तर**

**पाठ-बोध** Comprehension

**मौखिक** Oral

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर उनका उच्चारण करेंगे।
2. (क) लकड़हारा रोज़ जंगल जाता था।
   (ख) लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में गिर गई थी, इसलिए लकड़हारा रोने लगा।
   (ग) नदी के देवता सबसे पहले सोने की कुल्हाड़ी लेकर आए।

**बहुविकल्पी प्रश्न** MCQs

(क) ☑ एक (ख) ☑ नदी में (ग) ☑ दूसरी बार (घ) ☑ प्रसन्न

**लिखित** Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) लकड़हारा जंगल में लकड़ी काट रहा था।
   (ख) लकड़हारे ने सच्चे मन से भगवान से उसकी कुल्हाड़ी वापस देने के लिए प्रार्थना की।
   (ग) सोने की कुल्हाड़ी देखकर लकड़हारे ने कहा, "नहीं भगवन्! यह तो सोने की कुल्हाड़ी है। यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।"
   (घ) लकड़हारे की सच्चाई देखकर नदी के देवता ने उसकी अपनी कुल्हाड़ी के साथ-साथ सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ भी लकड़हारे को दे दीं।
3. (क) ☑ (ख) ☒ (ग) ☒ (घ) ☒ (ङ) ☒

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

1 गरीब – निर्धन
  जंगल – वन

| | | | |
|---|---|---|---|
| | खुश | – | प्रसन्न |
| | कष्ट | – | दुख |
| 2. | नदी | – | नदियाँ |
| | पत्ती | – | पत्तियाँ |
| | लकड़ी | – | लकड़ियाँ |
| | चादर | – | चादरें |
| | लकड़हारा | – | लकड़हारे |

**सोचो और बताओ** Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से भिन्न उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इन विषयों पर बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

**जीवन मूल्य** Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

## अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

**पाठ-बोध** Comprehension

1. (1) लकड़हारे की कुल्हाड़ी पानी में गिर गई।
   (2) वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा।
   (3) देवता सोने की कुल्हाड़ी लेकर आए।
   (4) नहीं, यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।
   (5) लकड़हारा अपनी कुल्हाड़ी देखकर बहुत प्रसन्न हुआ।
2. (क) लहड़हारा लकड़ियाँ काटकर बाज़ार में बेचता था।
   (ख) देवता लकड़हारे की सच्चाई पर बहुत प्रसन्न हुए।
   (ग) अन्त में देवता ने लकड़हारे को उसकी लोहे की कुल्हाड़ी के साथ-साथ सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ भी दे दीं।
3. (क) जंगल (ख) कुल्हाड़ी (ग) देवता (घ) तीनों

**भाषा और व्याकरण** Language and Grammar

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4. | (क) | जल | : | पानी, नीर |
| | (ख) | जंगल | : | वन, कानन |
| | (ग) | परेशान | : | चिन्तित, व्याकुल |
| | (घ) | खुश | : | आनन्दित, प्रसन्न |

5. (क) कुल्हाड़ी
   (ख) तालाब
   (ग) ईमानदारी
   (घ) संकट
   (ङ) लकड़हारा

**रचनात्मक कार्य** Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।